पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राजभवन सूचना परिसर)
———

राज्यपाल ने जनपद चित्रकूट स्थित जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय में आयोजित समारोह में हुईं शामिल

———

शिक्षा का मतलब आत्मनिर्भर बनाना है

———

शिक्षा विद्यार्थी केन्द्रित, रोजगारपरक व आत्मनिर्भर बनाने वाली होनी चाहिए —राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

———

लखनऊः 20 दिसम्बर, 2023

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय सीतापुर चित्रकूट का भ्रमण किया तथा वहां आयोजित समारोह में राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय के छात्र/छात्राओं द्वारा स्वागत गीत, सरस्वती वंदना तथा योग कार्यक्रम की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि यह कला सब में नहीं होती है। इसके लिए उन्होंने शिक्षकों तथा छात्र–छात्राओं को बधाई दिया।

राज्यपाल जी ने कहा कि जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य जी द्वारा 23 वर्ष पहले सोचा था कि दिव्यांग बच्चों के लिए विश्वविद्यालय बनाया जाए आज यह विश्वविद्यालय भारतवर्ष में विकसित हो रहा है इस विश्वविद्यालय से कई दिव्यांग बच्चे शिक्षा ग्रहण कर आज विभिन्न पदों पर कार्य कर रहे हैं।

राज्यपाल जी ने कहा कि शिक्षा का मतलब आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि जब तक हम अपनी आत्मा को नहीं पहचानते तो आगे निकलना मुश्किल होता है, हमारे छात्र–छात्राएं क्या चाहते हैं उसी के मुताबिक शिक्षा ग्रहण कराई जानी चाहिए। रोजगारपरक शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है इसलिए आत्मनिर्भर शिक्षा हेतु नई–नई फैकल्टी शुरू करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि एक बच्चा आगे बढ़ता है तो पूरा देश आगे बढ़ता है तभी देश की 140 करोड़ जनता का विकास होगा।

राज्यपाल जी ने कहा कि हमें अपने संस्कार व परंपरा को नहीं छोड़ना चाहिए। सिलेबस में आज जो कमियां हो उसमें कुलपति व कुल सचिव मिलकर उसका निस्तारण करें।

राज्यपाल जी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी की मंशा है कि 2030 तक उच्च शिक्षा में 50 प्रतिशत बच्चे होना चाहिए। इस सन्दर्भ में उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र से लेकर प्राथमिक विद्यालय, जूनियर हाई स्कूल, इंटरमीडिएट स्नातक परास्नातक पर मेहनत करने की जरूरत बतायी। उन्होंने कहा कि मैं अपने भ्रमण के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्री बहनों से भी कहती हूं कि आप लोग मेहनत करें, आप लोग बच्चों की नींव है जब हम लोग ऐसा करेंगे तो उनका सपना साकार होगा कड़ी मेहनत करनी पड़ती है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में छात्रों को भी जिम्मेदारी दें ताकि वह व्यवहारिक ज्ञान के बारे में जानकारी कर सके।

इस अवसर पर राज्यपाल जी को रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर अभी तक के कार्यक्रमों के बारे में प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाया गया तथा रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति श्री शिशिर कुमार पांडेय ने राज्यपाल जी को श्री कामतानाथ जी की फोटो एवं बच्चों द्वारा बनाई गई राज्यपाल जी की फोटो को भेंट किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री अभिषेक आनन्द, पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला, कुलपति बुंदेलखंड झांसी विश्वविद्यालय, कुलसचिव मधुरेंद्र कुमार सहित संबंधित अधिकारी शिक्षक एवं छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

————

डा0 सीमा गुप्ता– सहायक निदेशक
कृष्ण कुमार– सूचना अधिकारी/राजभवन
सम्पर्क सूत्र 9454468250